प्रश्नपत्र

मॉडल सेट-08

खण्ड 'क' अपठित अवबोधनम् (13 अंकाः)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार लिखेः

एकः महातपा नाम मुनिः आसीत्। एकदा तस्य आश्रमे विडालात् भीतः एकः मूषकः आगतः । मुनिः तं कुक्कुरम् अकरोत्। पुनः कुक्कुरः सिंहान् भीतः। मुनेः प्रभावतः सः सिंहः अभवत्। सिंहः भूत्वा सः गर्वितः अभवत्। सः मुनिं मारयितुम् अचिन्तयत्। मुनिः तस्य विचार ज्ञात्वा पुनः मूषकम् अकरोत्।

(क) एक पद में उत्तर दें: 4 x1= 4

(i) मूषकः कस्मात् भीतः आसीत्?

(ii) मूषकं कुक्कुरः कः अकरोत्?

(iii) कः कुक्कुरः जातः?

(iv) मुनेः नाम किम् आसीत्?

(ख) पूर्ण वाक्य में उत्तर दें:- 2 x2= 4

(i) कस्य प्रभावतः मूषकः सिंहः अभवत्?

(ii) सिंहः भूत्वा मूषकः किम् अचिन्तयत्?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें:- 4 x1= 4

(i) 'भीतः' शब्दस्य किम् अर्थः?

(ii) 'मारयितुम' अस्मिन् पदे कः प्रत्यय?

(iii) 'मुनेः' पदे का विभक्तिः?

(iv) 'विडालात् इति पदे का विभक्तिः प्रयुक्ता?

(घ) अस्य गद्यांशस्य कृते उचितं शीर्षकं लिखत।

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड 'ख' (रचनात्मक-कार्यम्-पत्रलेखनम्)

2. मञ्जूषा में स्थित पदों से पत्र में रिक्त स्थानों को भरें:- 1 x8= 8

मञ्जूषा: असि, छात्रावासे, अस्मि, मित्रवर:, कुर्वन्ति, यथोचितम्, उत्पन्नानाम्, वर्त्तते।

प्रिय मित्र संजय, छात्रावासत:

दिनांक-

नमस्कारम् ।

आशा वर्त्तते त्वं कुशल: (i)। अहम् अपि कुशल: प्रसन्नश्च (ii)। अस्मिन् (iii) नामांकनात् पश्चात् मह्यम् (iv) स्थानं दत्तं विद्यालयेन। मम उत्कृष्ट: परीक्षा परिणाम: तस्य कारणम्। छात्रावासे मम जीवनं सुखकरं (v)। सहवासिन: सहयोगिन: च अध्ययने (vi) समस्यानां समाधानं (vii)।

तव (viii)

क, ख, ग

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखे:

7 x1=7

(i) ग्रीष्म ऋतु: (ii) छात्रजीवनम्

(iii) अस्माकं राष्ट्रभाषा (iv) आदर्श मित्रम्

खण्ड 'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. (क) 'नम:+ते' (संधि करें)। 1 x4= 4

(ख) कोऽपि संधि विच्छेद करें।

(ग) 'ए+अ' के योग से कौन सा वर्ण बनेगा?

https://www.evidyarthi.in/

(घ) यण् संधि का एक उदाहरण दें।

5. (क) 'बालकस्य' किस विभक्ति का रूप है? 1

(ख) 'साधुना' का मूल शब्द क्या है? 1

(ग) 'मया' में कौन सी विभक्ति है? 1

(i) प्रथमा (ii) द्वितीया (iii) तृतीया (iv) चतुर्थी

6. (क) 'गच्छन्तु' किस धातु का रूप है? 1

(i) भू (ii) गम् (iii) गच्छ् (iv) अस्

(ख) 'जहि' किस लकार का रूप है? 1

(i) लोट् (ii) लृट् (iii) लङ् (iv) विधिलिंग

7. (क) 'उपहार' में कौन सा उपसर्ग है? 1

(ख) किस शब्द में 'वि' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है? 1

(i) विद्यालयः (ii) बिहारः (iii) विद्वान् (iv) विदुषी

8. (क) 'सेव्+शानच्' योग से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) सेवमानः (ii) सेववानः (iii) सेवाम् (iv) सेवायाम्

(ख) 'जनता में कौन सा तद्धित प्रत्यय है? 1

(i) ता (ii) तल् (iii) इनि (iv) अण

9. (क) 'गायक' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? 1

(i) गायिकी (ii) गायिका (iii) गायकी (iv) गायीका

(ख) 'रूद्राणी' में कौन सा स्त्री प्रत्यय है? 1

(i) टाप् (ii) ङीप् (iii) ङीष् (iv) ङीन्

10. (क) 'शिव+अण्' से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) शिवः (ii) शैवः (iii) शिवा (iv) शिवानी

https://www.evidyarthi.in/

(ख) 'चि+यत्' से क्या बनेगा? 1

11. निर्देशानुसार उत्तर लिखे: 4 x1= 4

(क) 'निर्जनम्' का विग्रह करें? 1

(ख) 'कर्मणि कुशल:' का समस्त पद लिखें? 1

(ग) 'चन्द्रमुखम्' में कौन सा समास है? 1

(घ) द्विगु समास का एक उदाहरण दें 1

12. (क) 'दानार्थे चतुर्थी' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें? 2

(ख) 'क्रोशं कुटिला नदी' यहाँ 'क्रोश' में कौन सी विभक्ति है? 2

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करो 7 x1= 7

(क) विद्यालय के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(ख) परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती है।

(ग) राजा ब्राह्मण को धन देता है।

(घ) छात्र शिक्षक के लिए उद्यान से पुष्प लाता है।

(ङ) रमेश गाँव से आता है।

(च) सदा सत्य बोलो।

(छ) हमें सदा सत्य बोलना चाहिए।

(ज) पटना बिहार की राजधानी है।

(झ) संस्कृत देवभाषा है।

(ञ) सिक्खों के दसवें गुरू गोविन्द सिंह थे।

खण्ड 'घ' (पठित अवबोधनम्)

14. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में करें। 3 x2= 6

(क) संप्रति पाटलिपुत्रम् अति विशालं वर्त्तते बिहारस्य राजधानी चास्ति।

https://www.evidyarthi.in/

(ख) ततो गृहलग्नं प्रवृद्धम् अग्निं दृष्ट्वा धूर्ताः सर्वे पलायिताः।

(ग) परपीडनम् आत्मनाशाय जायते, परोपकारश्च शान्तिकारणं भवति।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें:- 4 x1= 4

(क) शैक्षणिकाः संस्काराः कति सन्ति?

(ख) कः वंशहीनः आसीत्?

(ग) स्वामी दयानंदः गृहं परित्यज्य कुत्र गतवान्?

(घ) कर्णः कस्मै कवचकुण्डले च ददाति?

16. ''शास्त्रकाराः'' पाठ के आधार पर शास्त्र की उपादेयता पर प्रकाश डालें। 3

17. 'समावर्त्तन संस्कार' का क्या उद्देश्य था? 3

18. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ हिन्दी में लिखें:- 2 x2= 4

(क) सुलभाः पुरूषाः राजन् सततं प्रियवादिनः।

अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः ।।

(ख) यथा नद्यः स्यन्दमानाः समुद्रेऽस्तं गच्छन्ति नामरूपे विहाय।

तथा विद्वान् नामरूपाद् विमुक्तः परात्परं पुरूषमुपैति दिव्यम्

19. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें: 4 x1= 4

(क) भारतस्य महिमा कुत्र गीयते?

(ख) कः मंत्रीप्रवरः आसीत?

(ग) प्रकृतेः चित्रणं कुत्र मिलति?

(घ) सत्यस्य मुखं केन पात्रेण अपिहितम् अस्ति?

20. 'व्याघ्रपथिक कथा' पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है? 3

21. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें: 3

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः ।

https://www.evidyarthi.in/

काम: क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत् त्रयं त्यजेत्।।

22. (क) ''कर्णस्य दानवीरता'' पाठ के आधार पर कर्ण की दानवीरता पर प्रकाश डालें। 3

(ख) ''सांख्यदर्शनस्य प्रवर्त्तक: कपिल:। योगदर्शनस्य पतञ्जलि:। एवं गौतमेन न्यायदर्शनं रचितम्।'' 3 x1= 3

(i) यह उक्ति किस पाठ से है?

(ii) सांख्यदर्शन के प्रवर्त्तक कौन है?

(iii) न्यायदर्शन के रचनाकार कौन थे?

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में एक पद में दें 4 x1= 4

(i) वृद्ध व्याघ्र: कुत्र ब्रूते?

(ii) मैथिलकोकिल: क: आसीत्?

(iii) सिन्दूरदानं कस्मिन् संस्कारे विधीयते?

(iv) कर्ण: कस्यदेशस्य राजा आसीत्?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तराणि

मॉडल सेट-08

खण्ड 'क'

1. (क) (i) विडालात् (ii) मुनिः (iii) मूषकः (iv) महातपा

(ख) (i) मुनेः प्रभावतः मूषकः सिंहः अभवत्।

(ii) सिंहः भूत्वा मूषकः मुनिं मारयितुम् अचिन्तयत्।

(ग) (i) भयं (ii) तुमुन् (iii) पंचमी/षष्ठी (iv) पंचमी विभक्ति।

(घ) पुनर्मूषको भव।

खण्ड 'ख'

2. (i) असि (ii) अस्मि (iii) छात्रावासे (iv) यथोचितं

(v) वर्त्तते (vi) उत्पन्नानाम् (vii) कुर्वन्ति (viii) मित्रवरः

3. **I ग्रीष्म ऋतुः**

ग्रीष्म ऋतुः ज्येष्ठ आषाढ़योः

भवति। अस्मिन समये सूर्यस्य किरणाः तीक्ष्णाः भवन्ति। वृक्षाणाम् शुष्कपत्राणि वायुवेगेन क्षिप्तानि समन्तात पतन्ति। प्रचण्डपवनाः धूलिसमूहमादाय दिशः समाच्छाद्य प्रबलवेगेन वहन्ति। सर्वेः जनाः आकुली भवन्ति। अस्मिन् एव समये जलस्य महती आवश्यकता अनुभूयते। ग्रीष्मेकाले जलाशये तडागे जलाभावः भवति। शस्यावर्त्तनस्य कृते ग्रीष्मकालस्य महत्वम् अधिकं मन्यते।

II छात्रजीवनम्:

छात्रजीवनं नृणां सर्वाङ्गीण विकासार्थम् अतीव महत्वपूर्ण भवति। विद्यायाः प्रकाशः अस्मिन् छात्रजीवने एवं सुलभो भवति। छात्र जीवने सदाचारस्य, संयमनियमपालनस्य महिमा गरीयान् वर्त्तते। सफलं छात्रजीवनं मानवतायाः विकास क्रमे

https://www.evidyarthi.in/

प्रथमं सोपानम्। सर्वेषाम् मानवानां, छात्रजीवनं तेषां व्यक्तित्व निर्माणे महत्वपूर्णम् आसीत्। सम्यक् छात्रजीवनेन चरित्रस्य साफल्यं विधीयते। अतएव छात्रजीवनं सम्यक्तया निर्वहणीयम् ।

III अस्माकं राष्ट्रभाषा

अस्माकं राष्ट्रभाषा 'हिन्दी' इति अस्ति। हिन्दी भाषा सर्वासु भाषासु सरला व्यवहारयोग्या च अस्ति। एषा भाषा संस्कृतभाषायाः पुत्री एवं मन्यते यतोहि अस्याः अधिकांश शब्दाः संस्कृतभाषया एव गृहीताः। भारतवर्षे अधिकतमा जनाः हिन्दी भाषां वदन्ति लिखन्ति च। शिक्षण प्रशिक्षण-दृष्ट्या चेयं शीघ्रमेव बोधगम्या भवति। इयमेव विभिन्न राज्येषु संपर्कभाषा इव कार्यं करोति। अतएव हिन्दी अस्माकं देशस्य राष्ट्रभाषा कथ्यते।

IV आदर्श मित्रम्

अस्मिन् संसारे आदर्शमित्रं सर्वथा दुर्लभम् भवति। आदर्श मित्रं स्वकीयस्य मित्रस्य गुणान् प्रकाशयति। सः स्वमित्रं पापात् संकटात् च निवारयति। सः निजमित्रस्य विपत्काले सर्वविधं साहाय्यं करोति। आदर्श मित्रतायाः समुचितम् उदाहरणमस्ति- कृष्णसुदामयोः मैत्री। वयं आदर्शमित्रं भवेम। आदर्श मैत्र्याः कृते आवश्यक वातावरण विधेयम्।

खण्ड 'ग'

4. क- नमस्ते (ख) कः + अपि (ग) अय्

(घ) इति+ आदि = इत्यादि एवं अन्य

5. (क) षष्ठी विभक्ति (ख) साधु

(ग) (iii) तृतीया

6. (क) (ii) गम् (ख) (i) लोट्

https://www.evidyarthi.in/

7. क- उप उपसर्ग (ii) विहारः

8. (क) I- सेवमानः (ख) (ii) तल्

9. (क) II- गायिका (ख) (ii) ङीप्

10. क. (ii) शैवः (ख) चेयम्

11. (क) जनानाम् अभावः (ख) कर्मकुशलः

(ग) कर्मधारय (घ) पंचवटी एवं अन्य

12. (क) जो दान ग्रहण करे उसमें चतुर्थी विभक्ति लगती है।

यथाः- नृपः निर्धनाय धनं ददाति।

(ख) द्वितीया।

13. (क) विद्यालयम् अभितः वृक्षाः सन्ति।

(ख) परिश्रमेण विना सफलतान मिलति।

(ग) नृपः ब्राह्मणाय धनं ददाति।

(घ) छात्रः शिक्षकाय उद्यानात् पुष्पम् आनयति।

(ङ) रमेशः ग्रामात् आगच्छति।

(च) सदा सत्यं वद।

(छ) वयं सर्वदा सत्यं वदेम।

(ज) पाटलिपुत्रम् बिहारस्य राजधानी अस्ति।

(झ) संस्कृतम् देवभाषा अस्ति।

(ञ) सिक्खानां दशम गुरूः गोविन्दसिंह आसीत्।

खण्ड घ (पठित अवबोधनम्)

14. (क) आजकल पटना अत्यंत विशाल और बिहार राज्य की राजधानी है।

(ख) तब घर में लगी हुई आग को बढ़ा हुआ देखकर सभी धूर्त भाग गए।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) दूसरों को दु:ख पहुँचना, आत्मनाश उत्पन्न करती है और परोपकार शांति का कारण है।

15. (क) शैक्षणिक संस्काराः पञ्च सन्ति।

(ख) व्याघ्रः वंशहीनः आसीत्।

(ग) स्वामी दयानंदः गृहं परित्यज्य मथुरायां गतवान्।

(घ) कर्णः इंद्राय (शक्राय) कवचंकुण्डले ददाति।

16. सांसारिक विषयों से आसक्ति या विरक्ति, स्थायी या कृत्रिम उपदेश, जो लोगों को दिया जाता हे, उसे शास्त्र कहा जाता है। यह मनुष्यों को कर्त्तव्य और अकर्त्तव्य का ज्ञान करवाता है। इसे ज्ञान का शासक भी कहा जाता है। संप्रति सारे अध्ययन योग्य विषय ही शास्त्र माने जाते हैं। इनके अनुशीलन की मानव-जीवन में बहुत उपादेयता है। शास्त्रों को मानने वाले जीवन में उन्नति कर जाते हैं जबकि इसके विपरीत आचरण करनेवाले पतन के गर्त्त में चले जाते हैं।

17. मानव-जीवन में विहित शिक्षा-संस्कारों की अंतिम अवस्था समावर्त्तन संस्कार द्वारा अभिहित है। इसका उद्देश्य गुरू के घर छात्र का गृहस्थ जीवन में प्रवेश अभिप्रेत था। शिक्षा की समाप्ति पर गुरू शिष्यों को जीवनोपयोगी उपदेश देकर घर भेजते थे जिससे वे समाज के सक्रिय स्तम्भ बन सकें। इन उपदेशों में- सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो, अपने अध्ययन से प्रमाद (आलस) मत करो, आदि मुख्य थे। घर आने पर शिष्य इन्हीं ऋषिप्रदत्त उपदेशों का सम्यक् पालन कर दैनिक जीवन सुगमता एवं सफलतापूर्वक जीते थे। यही समावर्त्तन संस्कार का उद्देश्य था।

18. (क) हे राजन्। सदैव प्रिय बोलनेवाले मनुष्य आसानी से मिल जाते हैं, परंतु अप्रिय ही सही, उचित बोलनेवाला और सुनने वाला दोनों दुर्लभ हैं।

https://www.evidyarthi.in/

(ख) जिस प्रकार बहती हुई नदियाँ अपने नाम और स्वरूप की छोड़कर समुद्र में मिल जाती है, उसी प्रकार विद्वान् पुरूष अपने नाम और स्वरूप को छोड़कर सर्वश्रेष्ठ तथा दिव्य पुरूष, अर्थात ब्रह्म को प्राप्त कर लेते हैं।

19. (क) भारतस्य महिमा सर्वत्र गीयते।

(ख) महात्मा विदुरः मंत्री प्रवरः आसीत्।

(ग) प्रकृतेः चित्रणं मन्दाकिनीवर्णने मिलति।

(घ) सत्यस्य मुखं हिरण्यमयेन पात्रेण अपिहितम् अस्ति।

20. मानव-जीवन गुणों एवं अवगुणों का मंजूल समन्वय है। जो मनुष्य सद्गुणों का आचरण करते हुए अपने को लोभादि अवगुणों से बचाकर जीवन जीते हैं उन्हें इसी संसार में स्वर्ग का सुख मिलता है। इसके विपरीत कार्य करने वाले लोग जो कथा में वर्णित पथिक के समान होते है, व्यर्थ की तृष्णाओं में स्वयं को फँसाकर मृत्यु को प्राप्त होते हैं। कथा के मुख्य उद्देश्यों में हिंसक जीव का अपना स्वभाव न छोड़ने तथा मनोरंजन के साथ व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करवाना अभिप्रेत है।

21. प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य-पुस्तक 'पीयूषम भाग-2' के शीर्षक पाठ 'नीतिश्लोकाः' से संकलित है। महाभारत के कथानक पर आधारित यह पाठ ज्ञान के सागर समान है। युद्ध को समीप जानकर व्याकुलचित्त धृतराष्ट्र महात्मा विदुर से कुछ प्रश्नों का समाधान चाहते हैं। इन्हीं प्रश्नों के उत्तर देते हुए विदुर कहते हैं कि नरक के तीन द्वार है- काम, क्रोध और लोभ। ये तीनों कारण मनुष्यों का समूल विनाश कर नारकीय जीवन जीने को बाध्य कर देते हैं। अतएव इनसे बचने के लिए मनुष्यों को इन तीनों का त्याग कर देना चाहिए।

22. (क) महाकवि भासप्रणीत 'कर्णभारम्' नाटक में महाभारत के कथानक का आश्रय लेकर कर्ण के उज्जवल चरित्र को प्रकट किया गया है। कर्ण कुंती का पुत्र था जिसे

https://www.evidyarthi.in/

जन्मजात कवच और कुंडल प्राप्त था। जब तक ये दोनों उसके शरीर पर विद्यमान रहते, उसकी मृत्यु असंभव थी। महाभारत के युद्ध में पांडवों की जीत सुनिश्चित करने के लिए कृष्ण के परामर्श से इंद्र एक याचक का वेश बनाकर उसके सम्मुख पहुँचते हैं। कर्ण की दानवीरता प्रसिद्ध थी। उसके द्वार से कोई खाली नहीं जाता था। अपनी मृत्यु को समीप जानकर भी कर्ण ने इंद्र को अपना कवच कुंडल दे दिया। संसार में उसका पार्थिव शरीर तो नहीं परंतु यश एवं कीर्ति अद्यतन अक्षुण्ण है।

(ख) (i) शास्त्रकारा: (ii) कपिल (iii) गौतम

23. क) सरस्तीरे

ख) विद्यापति:

ग) विवाह संस्कारे

घ) अङ्गःदेशस्य

https://www.evidyarthi.in/